हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 299 देहरादून, मंगलवार, 23 मई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

तुष्टिकरण का राग अलाप रहे सर्वदलीय नेताओं पर जनता का भरोसा नही : महेंद्र भट्ट 3

सीएम धामी ने प्रदेश में सरकारी जमीन पर सभी अवैध अतिक्रमण शीघ्र हटाने के दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश की सरकारी जमीन के सभी अवैध अतिक्रमण शीघ्र हटाये जाएं। प्रदेश में अतिक्रमण वाली भूमि पर राज्य के बाहर के कितने लोगों का कब्जा है और राज्य के कितने लोगों का कब्जा है, इसका डाटा शीघ्र प्रस्तुत किया जाए। सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के शासन स्तर पर आज ही शासनादेश जारी किया जाए। उत्तराखण्ड के स्थानीय युवाओं को कौशल विकास विभाग के माध्यम से तकनीकि प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। प्लम्बर, कारपेंटर, इलेक्ट्रिशियन एवं अन्य क्षेत्रों में राज्य के स्थानीय लोगों को बेहतर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए, इसके लिए आवश्यक धनराशि की व्यवस्था भी की जाए। इसके लिए जल्द शासनादेश निकाला जाए। सभी जिलाधिकारी अपने जनपदों की शत्रु सम्पतियों का अपनी टीम के साथ स्थलीय निरीक्षण करें। जिन शत्रु सम्पतियों को अभी तक जिला प्रशासन द्वारा अपने अधीन नहीं लिया गया है, उन्हें शीघ्र अपने अधीन लिया जाए। जिन शत्रु सम्पतियों को अपने अधीन लिया जा चुका है, उनमें क्या पब्लिक प्रोजक्ट बन सकते हैं, इसका प्रस्ताव भी जिलाधिकारियों द्वारा शीघ्र शासन को भेजा जाए। सभी जिलाधिकारी अपने जनपदों की अवशेष शत्रु सम्पतियों का जल्द चिन्हीकरण कर आवश्यक कार्यवाही करें। यह निर्देश मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में राज्य की सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के सबंध में बैठक लेते हुए अधिकारियों को दिये। बैठक में जानकारी दी गई कि वन विभाग द्वारा 455 हेक्टेयर क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण को हटाया जा चुका है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण को न रोकने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी और कड़ी कार्रवाई भी की जायेगी। सरकारी भूमि से विशुद्ध रूप से अतिक्रमण हटना है। इसके लिए शासन से जो आदेश जारी होंगे, उस पर सभी जनपदों को तेजी से कार्य करना है। मुख्यमंत्री ने गृह विभाग को आदेश दिये कि बाहरी व्यक्तियों का लगातार सत्यापन अभियान चलाया जाए एवं किरायेदारों का भी नियमित सत्यापन किया जाए, इस कार्य में लापरवाही करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए। अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और एक दूसरे का सहयोग करें।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जनपदों में जो नई प्लाटिंग हो रही हैं, उनमें नियमानुसार सभी कार्यवाही हो, यदि कहीं भी कोई शिकायत आ रही है, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि चारधाम यात्रा एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर जो भी बाहरी लोग कार्य कर रहे हैं, यह सुनिश्चित किया जाए कि उन सभी का सत्यापन पूरा हो। उन्होंने गढ़वाल कमिश्नर एवं कुमायूं कमिश्नर को निर्देश दिये कि अपने

कमीश्नरी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने से सबंधित सभी गतिविधियों पर पूरी निगरानी रखें और जिलाधिकारियों के साथ इसके लिए नियमित बैठकें भी करें। कार्य के प्रति लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय करें। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्राम समाज की जमीनों पर भी अतिक्रमण न हो, यदि कहीं ऐसा हो रहा है, तो संबंधितों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कानून का पूरी सख्ती से पालन हो। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश में किसी भी व्यक्ति के जाली प्रमाण पत्र न बनें, यदि ऐसी कोई शिकायत आती है तो, सबंधितों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि विभागों द्वारा सरकारी जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने की जो रिपोर्ट दी जा रही है, उनका क्रॉस वेरिफिकेशन भी कराया जाए, गलत सूचना देने वालों पर कार्रवाई भी की जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में राज्य की सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के सबंध में बैठक लेते हुए अधिकारियों को दिये। बैठक में जानकारी दी गई कि वन विभाग द्वारा 455 हेक्टेयर क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण को हटाया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी सरकारी भूमि का अपना यूनिक नंबर होगा। सभी विभाग अपनी सरकारी संपत्ति का रजिस्टर मेंटेन करेंगे। इसकी डिजिटल इन्वेंटरी होगी। सरकारी भूमि की समय समय पर सेटेलाइट पिक्चर ली जाएगी। राज्य की सरकारी जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है। इसके लिए राजस्व परिषद् में तकनीकि सहायता के लिए एक सेल बनाया गया है। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है। जनपद और राज्य स्तरीय समिति अतिक्रमण हटाने के लिए की गई कार्यवाही की नियमित निगरानी रखेगी। सभी जनपदों में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही गतिमान है। बैठक में मुख्य सचिव डॉ.एस.एस.संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, श्री आनन्द बर्द्धन, सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, श्री एच.सी. सेमवाल, श्री विनय शंकर पाण्डेय, प्रमुख वन संरक्षक श्री अनूप मलिक, एडीजी श्री वी. मुरूगेशन, श्री ए.पी अंशुमान, विशेष सचिव श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, मुख्य वन संरक्षण वन पंचायत श्री पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव श्री रोहित मीणा, उपाध्यक्ष एम.डी.डी.ए. श्री बंशीधर तिवारी, अपर सचिव श्री नवनीत पाण्डे वर्चुअल माध्यम से गढ़वाल कमिश्नर श्री सुशील कुमार, कुमायूं कमिश्नर श्री दीपक रावत, सभी जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

खाद्य मंत्री "रेखा आर्या" हुई न्यूट्रास्युटिकल एंड फंक्शनल फूड पर हुए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, ब्यूरो रिपोर्ट। ... खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों की मंत्री रेखा आर्या ने वैज्ञानिकों से युवाओं को जंग फूड का विकल्प देने का आह्वान किया। जहां वह ग्राफिक एरा में न्यूट्रास्युटिकल एंड फंक्शनल फूड पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहीं थीं। रेखा आर्या ने कहा कि मोटा अनाज परम्परागत रूप से हमारे खानपान में शामिल रहा है। बाजरा, मंडवा, झंगोरा, कोट्टू, चीना, कंगनी ऐसे ही अनाज हैं। कोविड-19 के समय दुनिया के उन देशों में ज्यादा जनहानि हुई है, जहां जीवनशैली और खानपान की आदतें प्रकृति से जुड़ी नहीं हैं। उस समय हम आबादी के हिसाब से दुनिया में दूसरे नंबर पर थे, लेकिन जीवन शैली और खानपान प्रकृति से जुड़े होने के कारण देश में विदेशों जितनी जनहानि नहीं हुई।खाद्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पूरे वर्ष को मिलेट्स से जोड़ दिया है। मोटे अनाज को थाली से जोड़ने का प्रधानमंत्री जी का यह कदम लोगों के स्वास्थ्य और ग्रामीण अर्थ व्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मोटे अनाज को थाली से जोड़ना मन और मस्तिष्क के लिए बहुत जरूरी है। यह एक पुराना सिद्धांत है कि जो आप खाते हैं, वही आप होते हैं। इस सिद्धांत को जीवन में उतारा जाए, तो मन, मस्तिष्क और शरीर स्वस्थ रहेंगे।खाद्य मंत्री ने कहा कि मोटापा एक बड़ी समस्या है और इसका सबसे बड़ा कारण फास्ट फूड है। उन्होंने वैज्ञानिकों को फास्ट फूड से युवाओं को बचाने के लिए इसका विकल्प देने का आह्वान किया। साथ ही इस दिशा में जागरुकता लाने और शोध को बढ़ावा देने के ग्राफिक एरा के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर प्रबंधक रिसैला ग्रुप श्री राम शर्मा जी,प्रोफेसर श्री निसिनारी (जापान), प्रोफेसर श्रीदेवी अन्नपूर्णा,चैयरमेन विश्वविद्यालय श्री कमल घनशाला, वाईस चांसलर श्री नरपिंदर सिंह जी सहित अन्य गड़मान्य लोग उपस्थित रहे।

Health : जानिए स्वस्थ, जवां और लंबी उम्र पाने का फॉर्मूला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : सेहत सबसे बड़ा धन है। इसके बावजूद हम इसे ऐसे खर्चते हैं, जैसे मुफ्त मिले चिल्लर। अगर आप बिना व्याधियों के लंबी उम्र पाना चाहते हैं, तो अपने खानपान और जीवनशैली को दुरूस्त करें।स्वस्थ रहने का फॉर्मूला बहुत आसान है, बस आपको सही शुरुआत करनी है।

सेहत और फिटनेस तीन प्रमुख तत्वों का मेल है – शारीरिक-शरीर, मानसिक-दिमाग और सामाजिक सेहत। इन तीनों में से एक भी चीज अगर गड़बड़ है, तो उसके साथ बाकी दो चीजें भी प्रभावित होंगी ही, यह तय है। आज वर्ल्ड हेल्थ डे के उपलक्ष्य में आइए उन चीजों का आकलन करते हैं, जो आपको लंबी, स्वस्थ और खूबसूरत जिंदगी देने में मददगार हो सकती हैं।आपकी जीवनशैली और खानपान इन तीनों ही चीजों का आधार है। यानी अगर यह अच्छा है तो आपकी समग्र सेहत भी अच्छी रहेगी और अगर यह खराब है, तो आपको हेल्थ इंश्योरेंस करवाने में देर नहीं करनी चाहिए।

समझिए क्या है संपूर्ण स्वास्थ्य

1 शारीरिक सेहत

यह हर दिन की गतिविधियों को पूरा करने की हमारे शरीर की क्षमता होती और वह भी थकान, शारीरिक तनाव जैसी बाधाओं के बिना। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो हमारे शरीर का आधे से ज़्यादा हिस्सा पैरों का होता है, इसलिए व्यक्ति को शारीरिक रूप से सक्रिय होना चाहिए और हर दिन कम से कम 45 मिनट व्यायाम करना चाहिए।

शारीरिक व्यायाम अच्छी सेहत का आधार है। इन व्यायामों ने दौड़ना, जॉगिंग करना, तैरना, नृत्य, जुंबा, ट्रेडमिल, साइकिल चलाना, तेज़ गति में टहलना, सीढ़ी चढ़ना शामिल है।

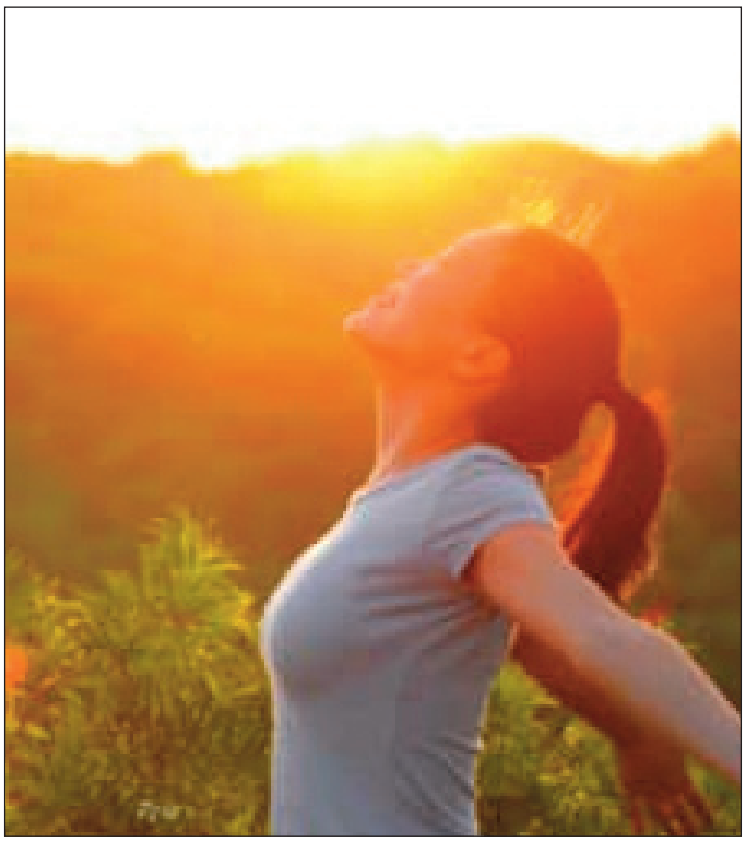

2 मानसिक सेहत

मस्तिष्क या दिमाग की सेहत की स्थिति होती है। मानसिक रूप से सेहतमंद होने का मतलब है कि व्यक्ति को तनाव, अवसाद, परेशानी, ज़रूरत से ज़्यादा सोचने जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याएं नहीं हैं। अगर आप दिमागी तौर पर स्वस्थ हैं, तो आप तनाव से निपट सकते हैं, भावनाओं को नियंत्रित कर सकते हैं और गुस्से पर काबू पा सकते हैं।

3 सामाजिक सेहत

इससे आशय अन्य लोगों के साथ अच्छे और समरसतापूर्ण संबंध बनाए रखने से है। यह तभी संभव है जब आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हों।

पहचानिए अपनी सेहत के दुश्मन

न्यूट्रीशनिस्ट प्राची कहती हैं, "निष्क्रिय जीवनशैली का मतलब न्यूनतम शारीरिक गतिविधि या पर्याप्त मात्रा में शारीरिक गतिविधि न कर पाना है। ऐसी जीवनशैली कई गंभीर बीमारियों के प्रमुख कारणों में से एक है। शारीरिक गतिविधि न होने से वज़न बढ़ने, मोटापे, कार्डियोवैस्क्यूलर बीमारियों, डायबिटीज़, उच्च रक्तचाप, हार्मोनल डिस्फंक्शन, अवसाद जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा खाने-पीने की गैर-सेहतमंद आदतें भी घातक साबित हो सकती हैं।

1 निष्क्रिय जीवनशैली

बैठे-बैठे काम करने वाली नौकरी – शारीरिक गतिविधियों की कमी की वजह से व्यक्ति का वज़न बढ़ जाता है और मोटापे की समस्या होती है।

2 खानपान की खराब आदतें

खाना न खाना, बाहर का खाना खाने के लिए तैयार रहना, गैर-सेहतमंद खाना, ज़रूरत से ज़्यादा खाना, बाहर का खाना, पैकेटबंद खाना इत्यादि।

3 ज़्यादा धूम्रपान या शराब का सेवन करना

समाज में धाक जमाने, आधुनिकीकरण के दबाव में, तनाव का सामना न कर पाने, गलत आदतों की वजह से धूम्रपान करना या शराब पीना।

4 तनाव ज़्यादा होना

व्यक्तिगत और पेशेवर चिंताएं, प्रतिस्पर्धाएं, लक्ष्य पूरे करने के दबाव, भरपूर नींद न हो पाना इत्यादि।

5 काम करने के का अस्वस्थ कल्चर

इन दिनों ज्यादातर लोग देर तक बैठे रहने वाली जॉब में हैं। इंटरनेट पर बढ़ी हुई निर्भरता ने फिजिकल मूवमेंट कम की है। इसके साथ ही बंद कॉम्पैक्ट एसी केबिन में बैठे रहने से न तो उन्हें कोई ताज़ी हवा मिल पाती है और न ही सूर्य की रोशनी। ज़्यादा घंटों तक काम करना, नाइट शिफ्ट, नौकरी में ओवरटाइम करना आदि भी सेहत को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

काम के लंबे घंटे आपकी सेहत को प्रभावित कर रहे हैं।

उपरोक्त तमाम कारक सेहत के लिए जोखिम बढ़ा रहे हैं। इसलिए यह जरूरी है कि इन पर जल्द से जल्द कोई एक्शन लिया जाए। इसमें केवल व्यायाम करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आपको सही खाना और सुरक्षित खाना भी ज़रूरी है।

व्यायाम जो हम करते हैं

किसी भी शारीरिक गतिविधि में 45 मिनट हिस्सा लेंव्यक्तिगत एवं आसपास की साफ-सफाई और हाइजीन का खयाल रखें।

यह भी याद रखें

संतुलित आहार सबसे अहम है- हर तरह की चीज़ें खाएं, सही मात्रा में खाएं।डायट में विविधता लाएं- अलग-अलग तरह की और अलग-अलग रंगों के फल-सब्जियां, सीड्स आदि खाएं।जहरीले ट्रांस फैट को खत्म करें – तला हुआ और पूरी तरह तला हुआ खाने से बचें।नमक, चीनी और सैचुरेटेड ट्रांस-फैट की खपत कम करेंसूक्ष्म-पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए फोर्टिफाइड फूड खाएं।किसी भी समय का खाना न छोड़ें – कम और जल्दी-जल्दी खाने की आदत रखें, समय पर खाएं,पैकेटबंद, सुरक्षित किया गया, प्रसंस्कृत किया गया, बेकरी, मैदा, तला हुआ और कैन वाला खाना न खाएं, बाहर का और देर रात खाना न खाएं।एल्कोहॉल, धूम्रपान और तंबाकू का सेवन न करें।खूब पानी पिएं और स्थानीय स्तर पर पैदा की जाने वाली चीज़ें खाएं, प्राकृतिक चीज़ें खाएं।समुचित खान-पान इस बात का सूचक होता है कि आप खुद का कितना सम्मान करते हैं, और यह न भूलें कि सेहत ही एकमात्र ऐसी संपत्ति है जो हमेशा आपका साथ देगी।

अगर ख़रीदने वाले हैं इलेक्ट्रिक कार तो जान लीजिये पहले ये बातें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : इसमें कोई शक नहीं कि पृथ्वी को बचाने के लिए मनुष्य को पेट्रोल-डीजल की खपत को कम करके ऊर्जा के कभी न खत्म होने वाले स्रोतों की तरफ मुड़ना होगा. और पिछले कुछ वर्षों में इसे शिद्दत से महसूस किया जा रहा है. 2-3 सालों में मनुष्य ने इस दिशा में काफी तेजी से कदम आगे बढ़ाए हैं. इलेक्ट्रिक गाड़ियां इसका बड़ा सबूत हैं. लगभग हर बड़ी ऑटो मेकर कंपनी इन दिनों अपने-अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर काम कर रही है. कई कंपनियों ने अपने इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में उतार भी दिए हैं. यूजर्स को सीधा-सीधा जीरो प्रदूषण के साथ-साथ इन्हें चलाने की लागत का लाभ नजर आता है. यहां तक कि कई इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स छूट भी दी जा रही है. इतना सब होने के बाद भी लोग अभी इलेक्ट्रिक कार की तरफ उतनी तेजी से नहीं बढ़े हैं, जितनी उम्मीद थी. इसके पीछे कई सारी समस्याएं समझ में आती हैं. तो चलिए जानते हैं वो कारण, जो लोगों के कदमों को बांधकर रखते हैं-

ऑटोमोबाइल कंपनियों का भी फोकस इलेक्ट्रिक वाहनों पर है. बावजूद इसके इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री उम्मीद से कम है. अगर आप भी एक इलेक्ट्रिक कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो ये 5 सवाल आपको परेशान कर सकते हैं. ये वे सवाल हैं जो कार खरीदने वाले हर शख्स के मन में उठते हैं.

कौन सी कार खरीदें?

अगर आप 10 लाख रुपये तक इलेक्ट्रिक कार खरीदना चाहते हैं तो आपके पास 1 ही ऑप्शन है. टाटा टियागो ईवी. दूसरी ओर 10 लाख रुपये तक ढेर सारी पेट्रोल कार के ऑप्शन हैं. इसमें हैचबैक, सब-कॉम्पैक्ट सेडान, क्रॉसओवर और माइक्रो एसयूवी शामिल हैं. हालांकि, इससे ज्यादा कीमत में कार खरीदने वाले सीमित हैं. हालांकि, आने वाले समय में 10 लाख के अंदर भी इलेक्ट्रिक कार के कई ऑप्शन मिल सकते हैं.

कहां चार्ज होगा वाहन?

एक इलेक्ट्रिक कार सिटी यूज के लिए अच्छी हो सकती है, लेकिन जो लोग कभी-कभी लंबी यात्रा पर जाते हैं उनके लिए इलेक्ट्रिक कार लेकर जाना एक समस्या भरा काम हो सकता है. क्योंकि अभी हाईवे पर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की प्रोपर व्यवस्था नहीं है. हां, अगर घर और ऑफिस तक आना-जाना है तो कोई दिक्कत की बात नहीं है.

क्यों खरीदें महंगी इलेक्ट्रिक कार?

इलेक्ट्रिक कार अभी काफी महंगी हैं. अगर आप हर दिन लंबी गाड़ी नहीं चला रहे हैं, तो पेट्रोल-डीजल पर जो लागत बच सकती है, उसे वसूलने में कई साल लग जाएंगे. इलेक्ट्रिक कार तभी बेहतर हैं, जब आपकी डेली रनिंग ज्यादा हो. वरना आपको चुकाई गई ज्यादा कीमत वसूलने में कई साल लग जाएंगे. यह स्थिति पेट्रोल पर खर्च करने से ज्यादा महंगी पड़ सकती है.

कौन खरीदेगा पुरानी इलेक्ट्रिक कार?

अभी तक कुछ पता नहीं है कि सेकेंड हैंड कार मार्केट में एक इलेक्ट्रिक कार की कितनी मांग होगी? इसके अलावा एक और चिंता यह है कि क्या इलेक्ट्रिक कारों की रीसेल वैल्यू उतनी होगी, जितनी अभी आम पेट्रोल-डीजल कारों की होती है.

कब तक चलेगी कार की बैटरी?

ज्यादातर कंपनियां बैटरी पर आठ साल की वारंटी दे रही हैं. इसमें भी कई तरह के नियम और शर्तें लागू हैं बैटरी की लागत कम हो रही है, यह अभी भी एक इलेक्ट्रिक कार का सबसे महंगा पार्ट है. इसे बदलने में काफी खर्च करना पड़ सकता है. बैटरी को ठीक करने या बदलने के लिए पैसा खर्च करना बजट के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है.

बदलती लाइफस्टाइल युवाओं को बना रही बीमार, कई बीमारियों के बन रहे शिकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मई : युवाओं की बदल रही लाइफस्टाइल उन्हें बीमारियों के जाल में फंसा रही है। आज युवा सबसे अधिक मधुमेह यानी शुगर की बीमारी से ग्रसित हैं। डॉक्टर ने कहा कि यदि मधुमेह से बचना है तो सबसे पहले समय पर बैलेंस डाइट लें, साथ ही हर दिन कम से कम एक घंटे वाक करें और नियमित व्यायाम व योग करें।उन्होंने कहा कि प्रयास होना चाहिए कि दिन भर में अनाज एक बार लिया जाए और कार्बोहाइड्रेट के साथ-साथ विटामिन, प्रोटीन, मिनरल्स की भी थाली में मात्रा शामिल हो।उन्होंने कहा कि शुगर के बाद जोड़ों में दर्द जैसी समस्या को न्यूरोपैथी कहते हैं। इसका इलाज संभव है। अगर मधुमेह रोगी का शुगर लेवल बढ़ा हुआ है तो यह समस्या देखने को मिलती है। न्यूरोपैथी के 80 प्रतिशत आरक्षण डेढ़ से दो माह में ठीक हो जाते हैं। इसके लिए लगातार संयमित खानपान, व्यायाम और बताए गए दवा समय पर लेना होता है।क्या मधुमेह बीमारी अनुवांशिक है इस प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि मधुमेह बीमारी अनुवांशिक है यदि माता-पिता को शुगर है तो बच्चे को शुगर होने की संभावना 70 से 100 प्रतिशत तक हो सकती है। इसके अलावा माता-पिता में किसी को भी शुगर है तो बच्चे को शुगर होने की संभावना 30 प्रतिशत तक होती है। हालांकि इससे बचा जा सकता है, यदि खानपान सही किया जाए, शारीरिक परिश्रम बढ़ाया जाए, बच्चे को किसी ना किसी फिजिकल एक्टिविटी से जोड़ा जाए तो शुगर से बचा जा सकता है। इन सब में जरूरी है कि भोजन समय पर हो और उतना ही खाए जितना जरूरी हो।

उत्तराखंड में भाजपा ने महाजनसंपर्क अभियान के लिए तय किये कार्यक्रम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, ब्यूरो रिपोर्ट, भाजपा ने महा-जनसम्पर्क अभियान के लिए कार्यक्रम तय कर दिये है। आयोजन के लिए दायित्व भी तय किये गए है।प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के निर्देश पर जारी इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने बताया कि 29 मई को राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी में पत्रकार वार्ता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसरों से मुलाकात का कार्यक्रम किया जाएगा । इसके बाद इन दोनों कार्यक्रमों को लोकसभा स्तर पर 1 से 5 जून तक आयोजित किया जाएगा ।

आयोजन की जिम्मेदारी संयोजक के तौर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, चंदन विष्ट, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता विनोद सुयाल को दी गयी है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मीट को संयोजक नवीन ठाकुर, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक द्वारा किया जाएगा । इसमें प्रत्येक लोकसभा के लिए एक संयोजक नियुक्त किया जाएगा और लोकसभा के प्रमुख शहर में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 1 से 20 जून के मध्य में लोकसभा स्तर पर विशाल जनसभा के आयोजन की जिम्मेदारी संयोजक के तौर पर प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी को दी गयी है। इसी अविधि में 75 विशिष्ट व्यक्ति या परिवारों से विधानसभा स्तर पर सम्पर्क करने के लिए राजेन्द्र बिष्ट, प्रदेश महामंत्री को संयोजक बनाया गया है । वहीं 5 से 10 जून तक होने वाले विधानसभा स्तर के वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन का संयोजन ऋषि कण्डवाल, प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी कुन्दन परिहार, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य द्वारा किया जाएगा ।

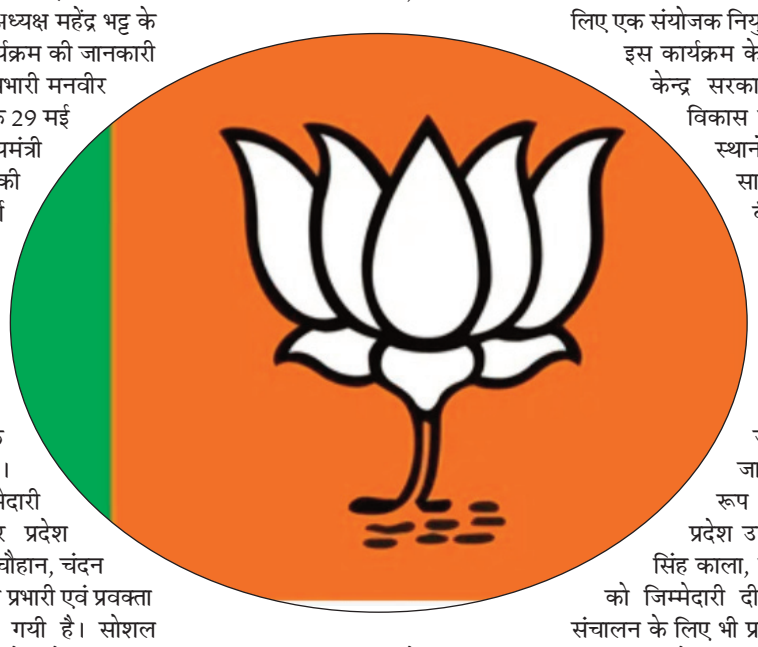

कार्यक्रम के संयोजन के लिए प्रत्येक विधानसभा के लिए एक संयोजक नियुक्त किया जाएगा । इनकी जिम्मेदारी प्रत्येक विधानसभा में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की सूची तैयार कर उनका सम्मेलन करना एवं उन्हें-सम्मानित करना है6 से 10 जून तक लोकसभा स्तर पर व्यापारी सम्मेलन के संयोजक पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल गोयल को नियुक्त किया गया है। अभियान के तहत लोकसभा स्तर पर विकास तीर्थ कार्यक्रम का आयोजन 10 से 12 जून तक किया जाना है । इस कार्यक्रम के संयोजक की जिम्मेदारी आदित्य चौहान प्रदेश मंत्री को दी गयी है। जिनके द्वारा प्रत्येक लोकसभा के लिए एक संयोजक नियुक्त किया जाना है।

इस कार्यक्रम के तहत लोकसभा में केन्द्र सरकार द्वारा किये गये विकास के सबसे बड़े कार्य स्थानों पर कार्यकर्ताओं के साथ जाकर टिफिन बैठक एवं कार्यक्रम में मीडिया को आमंत्रित किया जाएगा।इसी क्रम में विधानसभा स्तर पर संयुक्त मोर्चा सम्मेलन 10 से 15 जून तक किया जाएगा संयोजकके रूप में शैलेन्द्र विष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पुष्कर सिंह काला, प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी को जिम्मेदारी दी गयी है । इसके संचालन के लिए भी प्रत्येक विधानसभा के लिए एक संयोजक नियुक्त किया जाना है। 15 से 20 जून तक विधानसभा स्तर पर आयोजित होने वाले लाभार्थी सम्मेलन के संयोजन की जिम्मेदारी बलवंत सिंह भौर्याल, प्रदेश उपाध्यक्ष, कैबिनेट डॉ. धन सिंह रावत व सौरभ बहुगुणा को दी गयी है । जिसके लिए वह सहयोग के लिए प्रत्येक विधानसभा के लिए एक संयोजक नियुक्त करेंगे । विधानसभा स्तर पर 21 जून को योग दिवस कार्यक्रम संयोजक नीरज पांथरी, प्रदेश कार्यकारणी सदस्यएवं मनोज पाल, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य को बनाया गया है

। प्रत्येक विधानसभा के लिए एक संयोजक नियुक्ति के साथ कार्यक्रम स्थल पर केन्द्र सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। 23 जून को बूथ स्तर होने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए संयोजक विरेन्द्र वल्दिया, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य एवं मनोज गर्ग, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य को बनाया गया है जिन्हें प्रत्येक बूथ के लिए एक संयोजक नियुक्त करना है।इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करेंगे। इसी तरह 25 जून को होने वाले "मन की बात' कार्यक्रम का संयोजक राजेन्द्र बिष्ट, प्रदेश महामंत्री को बनाया गया है। इसी दिन 'आपातकाल दिवस' पर प्रबुद्ध सम्मेलन जिला स्तर पर किया जाएगा । संयोजक के तौर पर राजेन्द्र विष्ट प्रत्येक जिले में एक एक संयोजक नियुक्त किया जाना है और इसमें कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैसे नष्ट किया. इस पर एक डाक्यूमेंट्री दिखाई जानी है।20 से 30 जून तक होने वाले घर-घर सम्पर्क अभियान कार्यक्रम का संयोजक खिलेन्द्र चौधरी, प्रदेश महामंत्री व आदित्य कोठारी, प्रदेश महामंत्री को दी गयी है । इसमे विधानसभा स्तर पर संयोजक की नियुक्त के बाद घर-घर सम्पर्क के दौरान सभी कार्यकर्ताओं को प्रत्येक घर में जाकर लोगों को मोदी सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों के बारे में बताना है।

तुष्टिकरण का राग अलाप रहे सर्वदलीय नेताओं पर जनता का भरोसा नही : महेंद्र भट्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, ब्यूरो रिपोर्ट, भाजपा ने कहा है कि सर्वदलीय नेताओं की बैठक को लेकर अब जनता मे कोई उत्साह नही है और अस्तित्व की जंग लड़ रहे यह दल अपनी अपनी ढपली और तुष्टिकरण का राग अलाप रहे है, जिसे जनता पूर्व मे अस्वीकार कर उन्हे दंडित भी कर चुकी है। पत्रकारों से अनौपचारिक वार्ता मे प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि अवैध धार्मिक अतिक्रमण पर कार्यवाही के खिलाफ विपक्ष एवं जमायते उलेमा हिन्द जैसी संस्थाओं की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए देवभूमि यह मुहिम जारी रहेगी।

भट्ट ने सर्वदलीय बैठक के उद्देश्यों पर सवाल खड़ा करते कहा कि सीएम धामी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों ने इन सब दलों की राजनैतिक जमीन खिसका दी है, तभी अपने अपने स्वार्थों के लिए एक साथ खड़े होने की नौटंकी कर रहे हैं । सर्वदलीय बैठक के नाम पर जुटे ये सभी वह दल हैं जिन्हें धर्म विशेष के लिए अलग यूनिवर्सिटी या नमाज के लिए छुट्टी देने में कोई आपत्ति नही हुई अथवा जिन्हें भ्रष्टाचार करने के लिए पवित्र गंगा नदी को नहर घोषित करने में कोई दिक्कत नही हुई।

उन्होंने पवित्र चार धामों के संवर्धन और विकास की सुध लेने की कभी जरूरत नही समझी। वह आज अपना राजनैतिक अस्तित्व बचाने और धर्म विशेष के वोट बैंक को खुश करने के लिए धामी सरकार द्वारा अवैध धार्मिक अतिक्रमणों को ध्वस्त करने में आपत्ति है । जमायती उलेमा ए हिन्द समेत अन्य संस्थाओं की आपत्ति इसी कड़ी का हिस्सा है । उन्होंने कहा कि विपक्ष के ऐसे बयानों से एक बार फिर उनका अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का

चेहरा सामने आया है । ये राजनैतिक पार्टियां कभी नही चाहती हैं कि देवभूमि की सांस्कृतिक, धार्मिक व आध्यात्मिक पहचान कायम रहे और अवैध धर्मान्तरण व अवैध धार्मिक स्थलों के निर्माण पर रोक लगे । जबकी भाजपा धर्मान्तरण कानून, यूसीसी, सख्त भू कानून व अवैध धार्मिक अति धार्मिक अतिक्रमण पर कार्यवाही को देवभूमि की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं शांत प्रदेश की पहचान को बनाये रखने के लिए बेहद अहम मानती है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में विकास का डबल इंजन तेज गति से दौड़ रहा है । 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की केंद्रीय परि-योजनाओं से प्रदेश विकास की राह पर अग्रसर है। आज धामी सरकार आयुष्मान योजना से सभी लोगों के स्वास्थ्य, राशन कार्ड से अनाज, उज्ज्वला योजना से रोशन अंत्योदय परिवारों को 3 सिलेंडर फ्री रिफिलिंग एवं कृषकों, स्वरोजगार, श्रमिकों के लिए ऋण योजनाएं चलाकर उनके जीवन मे आमूलचूल परिवर्तन ला रही है । इसी तरह देश का सबसे संख्त धर्मान्तरण कानून लागू करना एवं समान नागरिक संहिता व संख्त भू कानून लागू करने की तैयारी और अवैध मजारों जैसे धार्मिक अतिक्रमणों पर हो रही कार्यवाही अन्य राज्यों के लिए नजीर बन रही है। उन्होंने कहा, विपक्ष का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ अपने पक्ष में मतों का परिवर्तन करना है चाहे इसके लिए प्रदेश में कितना ही जनसांख्यकीय परिवर्तन क्यों न हो जाये । इनके इस तरह के षड्यंत्रों को प्रदेश की जनता बखूबी पहचान चुकी है और लगातार चुनावों में सबक सिखा रही है । उन्होंने तंज कसते हुए कहा, इस सर्वदलीय बैठक में अधिकांश पार्टियों का तो अस्तित्व ही प्रदेश की जनता कब का मिटा चुकी है और कांग्रेस को तो समय समय पर जनता उनकी राजनैतिक हैसियत भी दिखाती रही है। प्रदेश की जनता इस फर्क को साफ देख रही है कि भाजपा प्रदेश की पहचान बनाये रखते हुए 2025 तक उत्तराखंड को श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए सकारात्मक राजनीति कर रही है और विपक्ष अपने अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए नकारात्मक राजनीति कर रहा है।

समान नागरिक संहिता-एक्सपर्ट कमेटी जल्द राजनीतिक दलों से करेगी चर्चा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, ब्यूरो रिपोर्ट, समान नागरिक सहिता के परीक्षण एवं क्रियान्वयन हेतु गठित विशेषज्ञ समिति 24 व 25 मई 2023 को देहरादून में विभिन्न आयोगों तथा राज्य के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की जायेगी। समिति जनसंवाद के माध्यम से लोगों के विचार एवं मंतव्य से भी अवगत होगी।

इस संबंध में अपर सचिव समान नागरिक संहिता विशेषज्ञ समिति श्री प्रताप सिंह शाह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य में रहने वाले सभी नागरिकों के व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करने वाले सभी प्रासंगिक मामलों की जांच करने एवं समान नागरिक संहिता के परीक्षण एंव क्रियान्वयन हेतु गठित विशेषज्ञ समिति दिनांक 24 मई को प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक सभागार, उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता कार्यालय स्थित राज्य अतिथि गृह, एनेक्सी भवन, देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न मा० आयोगों के साथ बैठक आयोजित की जायेगी तथा दोपहर 3:00 बजे से IRDT ऑडिटोरियम सर्व चौक देहरादून में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। विशेषज्ञ समिति द्वारा दिनांक 25 मई, 2023 को प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक सभागार, उत्तराखंड समान नागरिक संहिता कार्यालय स्थित राज्य अतिथि गृह एनेक्सी भवन देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक/विचार विमर्श किया जायेगा।

दिनांक 24 मई को दोपहर 3:00 बजे से IRDT ऑडिटोरियम सर्व चौक देहरादून में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रमुख संवाददाता अपने विचार, मंतव्य एवं अभिमत प्रस्तुत करने के लिये आमंत्रित है।

कम उम्र में भी घेर सकता है हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 मईः कोलेस्ट्रॉल फैट जैसा पदार्थ है जो शरीर की सेल्स में मिलता है. लिवर कोलेस्ट्रॉल को बनाता है और खाने की कई चीजों में भी कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है. शरीर को सही तरह से काम करने के लिए सीमित मात्रा में कोलेस्ट्रॉल की जरूरत होती है, लेकिन कोलेस्ट्रॉल जरूरत से ज्यादा बढ़ने पर रक्त वाहिनियों में जमकर रक्त प्रवाह बाधित करने लगता है. इससे दिल की दिक्कतें बढ़ने लगती हैं और हार्ट अटैक तक की नौबत आ जाती है. कम उम्र में भी बुरा कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है, इसलिए समय रहते हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण पहचानना जरूरी है.

आंखों के पास पीले निशान

शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने लगती है तो आंखों के आसपास पीले निशान दिखाई दे सकते हैं. ये हल्के पील मोटे दाने (Yellow Bumps) आंखों के ऊपर और किनारों पर अधिकतर दिखाई देते हैं.

हाथों के पीछे देखें

जब आप हाथों से मुक्का बनाते हैं तो ध्यान से देखें कि किसी तरह की सूजन तो नहीं है. हाथों के पीछे उभरी हुई हड्डियों में सूजन दिखना भी कोलेस्ट्रॉल का ही लक्षण है.

पैरों में दर्द

कॉलेस्ट्रोल बढ़ने पर रक्त वाहिनियां अवरुद्ध होने लगती हैं जिससे शरीर के अलग-अलग हिस्सों में दर्द होने लगता है. खासकर पैरों में दर्द और मांसपेशियों में खिंचाव महसूस होता है.

सीने में दर्द

हाई कोलेस्ट्रॉल से स्ट्रोक और दिल का दौरा पड़ सकता है. ऐसे में सीने में दर्द (Chest Pain) उठना संकेत हो सकता है कि शरीर का कोलेस्ट्रॉल जरूरत से ज्यादा बढ़ गया है. इस स्थिति में कोलेस्ट्रॉल का टेस्ट करवाना और डॉक्टर से सलाह लेना आवश्यक है.

वजन बढ़ना

अचानक से वजन बढ़ने लगा है तो कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का संकेत हो सकता है. ऐसे में वजन कंट्रोल करने पर ध्यान देना आवश्यक है. बता दें कि हाई कोलेस्ट्रॉल के रिस्क फैक्टर में मोटापे (Obesity) को गिना जाता है.

यदि आप भी अपनी कार को लम्बे समय तक रखते हैं खड़ा, तो हो जाएँ सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, ब्यूरो रिपोर्ट, आजकल लगभग हर घर में बाइक या कार तो होता ही है। कुछ लोग बाइक या कार खरीदते तो हैं पर उसे रोज चलाते नहीं है। एक या दो दिन बाइक या कार न चलाने पर कोई समस्या नहीं होगी। परंतु यदि लंबे समय तक इन वाहनों को न चलाया जाए तो इन वाहनों में कुछ समस्या हो सकती हैं, जिससे बादमें आपको अपने कार या बाइक को रिपेयर कराने में पैसे खर्च करने पड़ेंगे। कार या बाईक को लंबे समय तक न चलाने पर इसके बैटरी में खराबी आ सकती हैं। जिससे इन वाहनों को स्टार्ट करने में समस्या हो सकती हैं। इसके साथ साथ इन वाहनों के ब्रेक टायर में भी समस्या हो सकती हैं।

लंबे समय तक कार न चलाने के नुकसान-

आजकल ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण लोग अपने वाहन खरीदते तो हैं पर रोज चलाते नहीं है। एक या दो दिन तक इन वाहनों को न चलाने पर कोई समस्या नहीं होती। पर यदि लंबे समय तक इन वाहनों को न चलाया जाए तो इन वाहनों में कुछ समस्या आ सकती हैं।

कार या बाइक को लंबे समय तक न चलाने पर इसके बैटरी में खराबी आ सकती हैं जिससे इन वाहनों को स्टार्ट करने में समस्या हो सकती हैं। यदि एक ही जगह पर कार को अधिक समय तक रखा जाए तो कार के टायर फ्लैट हो सकते हैं।इतना ही नहीं इससे टायर के फटने का भी खतरा होता हैं। कार पार्क करते समय सामान्यतः लोग हैंड ब्रेक का प्रयोग करते हैं। पर यदि हैंड ब्रेक को अधिक समय तक लगाकर रखा जाए तो ब्रेक शू मेटल से चिपक जाते हैं, जिससे ब्रेक कमजोर हो सकते हैं।कार चोरी होने का डर-यदि आप अपने वाहन को अधिक समय तक नहीं चलाते तो उस पर चोरों की नजर रहती हैं। जिससे आपके कार या बाइक के चोरी होने का खतरा बढ जाता हैं।

कमिश्नर आवास परिसर के ट्रांसफार्मर में लगी आग, हडक़ंप

हल्द्वानी। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत के हल्द्वानी स्थित आवास परिसर में ट्रांसफार्मर में एकाएक आग लग गई। आग लगने से आसपास में हडक़ंप मच गया। ऊर्जा निगम की ओर से बिजली सप्लाई रोकने के बाद आग पर काबू पाया गया। जानकारी के मुताबिक कुमाऊं कमिश्नर के आवास परिसर पर ऊर्जा निगम का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। सोमवार शाम करीब साढ़े चार बजे ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट हो गया। इससे आग लग गई। आग आसपास की झाड़ियों तक पहुंच गई। आग लगने की सूचना पर कर्मचारियों में हडक़ंप मच गया। सूचना ऊर्जा निगम को देकर तत्काल लाइन कट की गई। विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर उपलब्ध संसाधनों से आग पर काबू पा लिया। कुछ समय बाद मौके पर दमकल कर्मियों ने प्रभावित इलाके में पानी का छिडक़ाव किया। जिला अग्निशमन अधिकारी गोविंद राम ने बताया कि आग से बड़ा नुकसान नहीं हुआ है।

ग्रुप सी के पदों पर बाहरी राज्य के अभ्यर्थियों का विरोध

हल्द्वानी। प्रदेश में नर्सेज ग्रुप सी के 1564 पदों पर बाहरी राज्य के युवाओं को मौका देने पर आंदोलन को चेताया गया है। उत्तराखंड युवा एकता मंच के संयोजक कार्तिक हर्बोला व पीयूष जोशी ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि नर्सेज भर्ती परीक्षा के लिए बाहरी राज्य से आवेदन मांगने की तैयारी की जा रही है। जिससे राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश हो रही है। कहा, ऐसा करने पर कोर्ट की शरण में जाने के साथ ही आंदोलन किया जाएगा। चेतावनी देते हुए कहा कि इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई गई तो प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा।

बागेश्वर उपचुनाव में जनता देगी भाजपा को जवाब : दर्शन लाल

हल्द्वानी। उत्तराखंड कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन लाल के सोमवार को पहली बार शहर आगमन पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। रामपुर रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष ने कहा प्रदेश सरकार शोषित व वंचित समाज के अधिकारों का खात्मा कर रही है। बागेश्वर उपचुनाव के साथ आगामी लोकसभा चुनावों में जनता इसका जवाब भाजपा को देगी। कहा कि संगठन के विस्तार को काम किया जा रहा है। उन्होंने सभी जिला व ब्लॉक अध्यक्षों को जल्द कार्यकारिणी का विस्तार करने को कहा। वहीं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राहुल छिमवाल ने संगठन के साथ मिलकर कार्य करने का आश्वासन दिया। कहा कांग्रेस ही अनुसूचित समाज के लोगों को आगे बढ़ाने की सोच रखता है। इसके लिए पार्टी हर स्तर पर काम कर रही है। इस मौके पर लोस व बूथ स्तर के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। यहां युवा कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष मीमांशा आर्या, कुंदन राम आर्य, इंदर पाल आर्य, रमेश कुमार, गौरव, मनोज शर्मा, प्रशांत सिंह, कुंदन लाल आर्य रहे।

ग्राम पंचायत बालूवाला में जल्द दूर होगी पेयजल की दिक्कत

विकासनगर। ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत बालूवाला में विधायक विकासनगर मुन्नासिंह चौहान ने जल जीवन मिशन योजना के तहत पेयजल योजना के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। करीब 246.89 लाख रुपये की लागत की इस पेयजल योजना के निर्माण से ग्राम पंचायत बालूवाला के ग्रामीणों के हलक तर हो सकेंगे। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत विकासखण्ड विकासनगर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बालूवाला में नलकूप अधिष्ठापन, उध्व जलाशय निर्माण एवं पाइप लाइन विस्तार कार्य का शिलान्यास विकासनगर विधायक मुन्ना सिंह चौहान एवं ब्लॉक प्रमुख विकासनगर जसविंदर सिंह बिट्टू की उपस्थिति में भूमि पूजन कर किया गया। ग्राम बालूवाला में 246.89 लाख रुपये की लागत से योजना के निर्माण कार्य की शुरुआत कराई गई है। इसके साथ ही नए घरेलू जल संयोजन दिए जाने का कार्य का भी शिलान्यास के साथ ही शुरू हो गया है। इस मौके पर विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर घर तक पेयजल उपलब्ध कराना है। जल जीवन मिशन योजना के तहत सरकार की यह मुहिम जल्द रंग लाएगी। जिसके बाद गांव में कोई प्यासा नहीं रहेगा। कहा कि प्रदेश सरकार हर क्षेत्र में गांव से लेकर शहर तक विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त खबरें

एसटीएच में डिजिटल एक्स-रे मशीन ठीक, मरीजों को राहत

हल्द्वानी। एसटीएच की डिजिटल एक्स-रे मशीन ठीक हो गई है। इससे सोमवार को अस्पताल पहुंचे मरीजों को काफी राहत मिली। गौरतलब है कि अप्रैल के पहले सप्ताह में मशीन का पाट्र्स अचानक खराब होने से करीब डेढ़ माह से बंद थी। अस्पताल में पुरानी तकनीक पर आधारित दूसरी मशीन से मरीजों के एक्स-रे किए जा रहे थे। जिससे भीड़ बढऩे के कारण घंटों समय लग रहा था। एसटीएच के एमएस डॉ. गोविंद सिंह तितियाल ने बताया कि बीते दिन पाट्र्स पहुंचने के बाद मशीन पर काम चल रहा था। सोमवार से मशीन ने पूरी तरह से काम करना शुरू कर दिया है।

ड्यूटी में देश और सेवानिवृत्ति के बाद करेंगे समाज की सेवा

हल्द्वानी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्रुप केंद्र काठगोदाम की ओर से लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरनमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सेवारत और सेवानिवृत्त अद्र्धसैनिकों ने समाज के हित के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। सोमवार को सेवानिवृत्त सेवारत अद्र्धसैनिक परिवार कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा समिति के सहयोग से हुए कार्यक्रम का शुभारंभ कमांडेंट विजय कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि अद्र्धसैनिक ड्यूटी के दौरान देश की सेवा करते हैं। वह कुछ समय समाज की सेवा के लिए भी निकालें। इसके लिए सेवानिवृत्त अद्र्धसैनिकों के सहयोग की भी आवश्यकता है। जिससे समाज को और उन्नति की ओर ले जाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान अद्र्धसैनिकों ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया। जरूरतमंदों को पुस्तक और कपड़े बांटे गए।

निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगे

हल्द्वानी। अखिल भारतीय विद्यार्थी संगठन ने सोमवार को एसडीएम मनीष कुमार सिंह को ज्ञापन सौंप निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की है। कहा कि री- एडमिशन व मेंटेनेंस के नाम पर अभिभावकों से फीस वसूली जा रही है। हर साल ड्रेस कोड बदल कर अतिरिक्त भार डालने का काम किया जा रहा है। कहा, प्रदेश सरकार ने राजकीय इंटर कॉलेजों को सीबीएसई से संबद्ध कर दिया, जिससे छात्रों का परीक्षा फल निराशाजनक रहा है। इसके कारणों को चिह्नित कर उचित कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर कौशल बिरखानी, कमलेश भट्ट, यतिन पांडे, शिप्रा बसेड़ा, शिवानी कार्की, निखिल सोनकर रहे।

महाराज ने रुड़की को दिया 88.73 लाख लागत की योजनाओं का तोहफा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, लघु सिंचाई, पंचायती राज, ग्रामीण निर्माण, संस्कृति, जलागम प्रबन्धन एवं भारत नेपाल उत्तराखण्ड नदी परियोजना मंत्री सतपाल महाराज ने रूड़की में 88 . 73 लाख की लागत की अनेक विकास योजनाओं का लोकार्पण किया।प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को ब्लॉक रूड़की में रामनगर स्थित रामलीला ग्राउण्ड में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 88.73 लाख रूपये की लागत की अनेक विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। जिला योजना वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत रूड़की के आकाशदीप फेज-3 में पेसिफिक होटल के पीछे देवेन्द्र कुमार के मकान से हरेन्द्र के मकान की ओर सी०सी० इन्टरलोकिग टाईल्स द्वारा निर्माण कार्य, रूड़की के आसफनगर के लक्ष्मीपुरम में पूजा बुटिक से श्री गुप्ता की ओर सी०सी० इन्टरलोकिग टाईल्स द्वारा निर्माण कार्य, गणेश विहार में गणेश विहार द्वार 23 गेट से मास्टर के मकान तक सी०सी० द्वारा मार्ग का निर्माण कार्य, आर्य विहार में आर्य विहार द्वार से गौतम के मकान तक सी०सी० द्वारा मार्ग का निर्माण कार्य, रूड़की के वार्ड नं0 37 पुरानी. तहसील के ईदगाह एन्कलेव में पी०जी० से बशीर एन्कलेव तक सी०सी० सड़क व दोनों ओर नाली निर्माण कार्य, रूड़की के वार्ड नं0-29 में बर्फ खाने वाली सड़क का सी०सी० इण्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा किये गये निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया।कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने इस मौके पर महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से नौ महिला लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट, राजस्व विभाग की ओर से पांच लाभार्थियों को मुख्यमंत्री राहत कोष का चेक वितरण, उद्यान विभाग की ओर से पांच लाभार्थियों को फसल दवाई किट/स्प्रे मशीन, एनआरएलएम की ओर से तीन एसएचजी को सीआईएफ की धनराशि का वितरण तथा सहकारिता विभाग की ओर से 17 लाभार्थियों को पण्डित दीन दयाल उपाध्याय कल्याण योजना के अन्तर्गत ब्याज रहित ऋण का वितरण किया।कैबिनेट मंत्री महाराज ने विकासात्मक कार्यों का लोकार्पण तथा

लाभार्थियों को चेक/सामग्री वितरित करने के बाद ''सरकार जनता के द्वार'' ''हमारा संकल्प अनुशासित प्रदेश'' एवं ''भयमुक्त समाज'' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए आज जिन-जिन कल्याणकारी कार्यों का लोकार्पण किया गया, उन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सिंचाई विभाग के अभियंता कार्य के दौरान करें नवीनतम तकनीकी का इस्तेमाल : महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने सिंचाई विभाग के अभियंताओं को नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल करने के साथ-साथ कार्य के दौरान आ रही प्रकृति जनित चुनौतियों का सामना करने के लिए भी उन्हे तैयारी करने को कहा है।प्रदेश के सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को आई.एस.बी.टी. स्थित इंस्टीट्यूशन अॉफ इंजीनियर्यस के सभागार में आयोजित उत्तराखण्ड सिंचाई अभियन्ता एसोसिएशन के प्रथम महाधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि सिंचाई विभाग के अभियंताओं की समस्याओं को सुनने के साथ-साथ उनका हर संभव निराकरण का प्रयास किया जायेगा। उन्होने अभियंताओं को विकास कार्यों में गुणवत्ता लाने के साथ-साथ विभाग में कार्य संस्कृति विकसित करने पर भी जोर दिया।सिंचाई मंत्री ने अभियंताओं को नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल करने के साथ-साथ कार्य के दौरान आ रही प्रकृति जनित चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयारी करने को कहा। इस मौके पर उत्तराखण्ड सिंचाई अभियन्ता एसोसिएशन

ने सिंचाई मंत्री को एक मांग पत्र भी सौंपा मांग पत्र में सेवा में शिथिलीकरण का लाभ पुनः लागू किये जाने, विभागीय ढांचे में पदों को कम न करने, सिंचाई विभाग को पर्यटन विभाग की कार्यदायी संस्था के रूप में नामित करने हेतु शासनादेश किये जाने, सीधी भर्ती के सहायक अभियन्ताओं की नियुक्ति प्रत्येक वर्ष करने, सीधी भर्ती एवं पदोन्नति के अनुपात को पूर्व की भांति करने और सिंचाई विभाग में ज्येष्ठता सम्बन्धी विवादों के समाधान के लिए त्वरित कार्यवाही की मांग की गई।इस अवसर पर सचिव सिंचाई हरिचन्द सेमवाल, प्रमुख अभियन्ता जयपाल सिंह, ए.के. दिनकर, सुभाष पाण्डे, उत्तराखण्ड सिंचाई अभियन्ता एसोसिएशन अध्यक्ष, हर्ष कुमार कटियार आदि उपस्थित थे।

"कुंजा ग्रांट" में जंगल से निकलकर नेशनल हाईवे रोड किनारे आया जंगली हाथियों का झुंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, ब्यूरो रिपोर्ट..."विकासनगर" के "कुंजा ग्रांट" में जंगल से निकलकर नेशनल हाईवे रोड किनारे आया जंगली हाथीयों का झुंड, यातायात हुआ प्रभावित-बताते चलें टीमली रेंज क्षेत्र के गांव कुंजा ग्रांट के निकट जंगल से 5 हाथियों का झुंड NH शिमला बाइपास पर सड़क किनारे आ गया। जिसे देखकर आते जाते राहगीर फोटो खींचने मैं मस्त हो गए भीड़ को देखकर एक हाथी विचलित हो गया और सड़क पर लोगों की ओर दौड़ पड़ा फिर भी राहगीर अपनी जान को जोखिम में डालकर फोटो खींचते रहे। लेकिन कुछ देर में ही हाथी को पीछे दौड़ता देख लोगों में भगदड़ मच गई वहां से भाग कर लोगों ने अपने जान बचाई हालांकि हाथियों को देखने वाले राहगीरों का सड़क पर तंता लगता चला गया इस दौरान यातायात भी प्रभावित रहा।

हाथीयों की सूचना वन क्षेत्रीय अधिकारी मुकेश कुमार को दी गई सूचना मिलते ही रेंज अधिकारी के निर्देश पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथीयों को जंगल की ओर सुरक्षित दौड़ा दिया गया। वहीं वन विभाग की टीम ने राहगीरों को भी वहां से हटा दिया और लोगों को सावधान भी किया वन विभाग की टीम उक्त स्थान पर नजर रखे हुए है।

अल्मोड़ा के नए DM विनीत तोमर ने संभाला कार्यभार, बताई ये प्राथमिकताएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जिले की नवनियुक्त जिलाधिकारी विनीत तोमर ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कलक्ट्रेट पहुंचने पर जिलाधिकारी को गार्ड ऑफ आनर दिया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी व अपर जिलाधिकारी ने नव नियुक्त जिलाधिकारी को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद जिलाधिकारी ने कोषागार पंहुचकर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया।2014 बैच की आईएएस अधिकारी विनीत तोमर ने कुमाऊं मंडल विकास निगम के प्रबंध निदेशक, जिलाधिकारी चंपावत, मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार, उपजिलाधिकारी लैंसडाउन व काशीपुर रह चुके हैं।कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिलाधिकारी ने कलक्ट्रेट के विभिन्न पटलों का निरीक्षण भी किया और सम्बन्धित पटल सहायकों से जानकारी ली। कोषागार में गहनता से डबल लॉक, सिंगल लॉक, सीसीएल, डीसीएल आदि का निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने शिकायत कक्ष, भूमि अध्यापित कक्ष, जिला विकास प्राधिकारण, आपदा कन्ट्रोल रूम, स्टाम्प कक्ष, जनाधार कक्ष, भूमि अभिलेख कक्ष, अभिलेखाकार राजस्व अभिलेख एवं निर्वाचन कार्यालय सहित अन्य पटलों का निरीक्षण किया।

जिले के विकास के लिए बनेगी नई कार्ययोजना-

जिलाधिकारी विनीत तोमर ने कहा कि जनपद के विकास के लिये नई कार्य योजना बनायी जायेगी, जहां सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित मूलभूत सुविधाओं का प्राथमिकता में रखते हुये विकास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिले में जो विकास कार्य गतिमान है उनमें गति लाने का प्रयास किया जायेगा। आगामी मानसून के देखते हुये जनपद में आपदा की तैयारियों को लेकर जल्द ही बैठक आयोजित की जायेगी।

जनता को अनावश्यक भटकना न पड़े अधिकारी कर्मचारी रखें ध्यान-

जिलाधिकारी विनीत तोमर ने कलक्ट्रेट के अधिकारियों व कर्मचारियों से कहा कि उनके पास कम से कम फाइलें लम्बित रहे इसका विशेष ध्यान रखें। दैनिक कार्यों के साथ जनता की छोटी सी छोटी समस्या का निस्तारण करने का प्रयास किया जाए उन्हें अनावश्यक यहां वहां न भटकना पड़े। इस पर भी ध्यान दिया जाए। फाइलों का निस्तारण समयबद्व व गुणवत्तापूर्ण हो।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंशुल सिंह, अपर जिलाधिकारी चंद्र सिंह मर्तोलिया, संयुक्त मजिस्ट्रेट रानीखेत जय किशन, उप जिलाधिकारी सदर गोपाल सिंह चौहान, एसडीएम सल्ट गौरव पाण्डे, जिला विकास अधिकारी के.एन तिवारी, वैयक्तिक सहायक हरीश उपाध्याय व कलक्ट्रेट के अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

नेहा जोशी किड्स टैलेंट को दे रही है मजबूती, किड्स कार्निवल में बच्चों की प्रतिभा को निखारने की बड़ी कोशिश

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,22 मई। होटल मार्बल राजपुर रोड की ओर से लाला लैंड नाम से किड्स कार्निवल का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में बच्चों ने अपनी विभिन्न प्रतिभाओं को निखारने की कोशिश की कार्निवल में विभिन्न प्रकार की वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

वर्कशॉप की शुरुआत सोल फिट क्लाउड किचन एवं हेल्दी फूड की ओनर रूपा सोनी ने एवं अन्य ने रिबन काट कर की। उन्होंने कहा की बच्चों के अंदर बहुत सी प्रतिभाएं छुपी होती हैं जिन्हें पहचानने की जरूरत होती है। इसी के लिए यह आयोजन किया गया है। कार्निवल के दौरान बच्चों ने दिव्या बंसल से फ्रिज मैगनेट बनाना सीखा वही दिव्या गुलाटी ने चॉकलेट बनाने सिखाए रितिका खेड़ा ने साबुन बनाना सिखाया तो वही आकांक्षा ने कैनवस पेंटिंग एवं स्ट्रिंग मेकिंग सिखाया इस मौके पर हरनीत कौर ने बच्चों की फीस पेंटिंग करी जो बच्चों ने बहुत ही इंजॉय की वहीं दूसरी ओर शाम के सत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा की नेशनल वाइस प्रेसिडेंट नेहा जोशी]zकरते हुए कार्यक्रम में मौजूद गेस्ट ऑफ ऑनर सिंधु गुप्ता, वंदिता , स्मृति हरि, चेरी किड्स स्कूल की प्रिंसिपल प्रिया खुराना, नाइन पाल्म्स की ओनर राधिका सिकंद, वेदांता आईएएस अकैडमी की ओनर अर्चना यादव कपूर , माया ग्रुप ऑफ़ कॉलेज की एमडी तृप्ति जुयाल सेमवाल , निरावधि कम्युनिटी प्लेटफार्म की ऑनर डॉ प्राची चंद्रा आदि को सम्मानित किया वहीं चाइल्ड साइको-लॉजिस्ट डॉक्टर याशना बाहरी सिंह ने वहां पर मौजूद सभी महिलाओं से पेरेंटिंग एवं बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात की।

UPI पेमेंट करते समय गलत अकाउंट में जमा हो गए पैसे तो इस तरह मिलेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, ब्यूरो रिपोर्ट, UPI पेमेंट सिस्टम आने के बाद से ही भारत में डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ा है। क्योंकि UPI पेमेंट तुरंत और आसानी से होता है इसलिए लोग Paytm, PhonePe, GPay जैसे ऐप का प्रयोग करके डिजिटल ट्रांजैक्शन कर रहे हैं। परंतु कभी कभी ऐसा होता है कि गलती से ट्रांजैक्शन करते समय भेजने वाले व्यक्ति द्वारा अकाउंट नंबर या UPI ID या मोबाइल नंबर भरते समय गलती हो जाती हैं, जिससे पैसे किसी दूसरे अकाउंट में जमा हो जाते हैं।

जिसके बाद भेजने वाला व्यक्ति परेशान हो जाता हैं। उसे इस बात की चिंता हो जाती हैं कि उसके पैसे उसे वापस मिलेंगे या नहीं। तो हम आपको बता दें ऐसी स्थिति में डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके पैसे RBI के नियमों के अनुसार आपको वापस मिल जाएंगे।

UPI से किसी गलत अकाउंट में पैसे जमा होने पर क्या करे ?

आजकल भारत में UPI पेमेंट करने का सबसे पसंदीदा डिजिटल पेमेंट सिस्टम बन गया हैं। कभी कभी ट्रांजैक्शन करते समय भेजने वाले व्यक्ति द्वारा कुछ गलत जानकारी भरने के कारण पैसे गलत अकाउंट में जमा हो जाते हैं। RBI के नियमों के अनुसार आपको आपके पैसे वापस मिल जाएंगे।

सबसे पहले आपने जिस ऐप से ऑनलाईन ट्रांजैक्शन किया है उसके कस्टमर केयर को कॉल या ऑनलाइन चैट के माध्यम से इस मामले की शिकायत दर्ज करे। इसके तुरंत बाद अपने बैंक से इस मामले में शिकायत दर्ज कराए।आपका बैंक प्राप्तकर्ता बैंक से संपर्क करेगा इसके बाद प्राप्तकर्ता बैंक जिस अकाउंट में पैसे जमा हुए हैं उससे संपर्क करके आपके अकाउंट में पैसे वापस भेज देगा। आप चाहे तो आप NPCI पोर्टल में भी इस बारे में शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।यदि आपके बैंक में शिकायत करने के 30 दिन के भीतर आपको पैसे वापस नहीं मिलें तो आप RBI के बैंकिंग ओंबड्समैन के यहां ऑनलाईन CMS पोर्टल पर या मेल भेजकर शिकायत कर सकते हैं।

पैसे भेजते समय रखे सावधानी

किसी को भी ऑनलाईन पैसे भेजते समय यदि पहली बार पैसे भेज रहे हैं तो सबसे पहले आपने जो जानकारी भरी है उसको वेरीफाई करे। जानकारी सबमिट करने के बाद ऐप में आ रहे प्राप्तकर्ता के नाम को वेरीफाई करे इसके बाद पैसे भेजे।

अब बाजार में मिलेगा मोदी आम, स्वाद होगा सबसे अलग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, ब्यूरो रिपोर्ट, अब पीएम मोदी के नाम पर रखा गया "मोदी आम" भी बाजार में मिलेगा। लेकिन यह आम अगले वर्ष आपको मिल सकेगा। ख़ास बात यह है कि यह मोदी आम दशहरी, चौसा तथा लंगड़े आम से कई गुना मोटा होगा। इसका स्वाद भी आमों की कई प्रजातियों से अलग होगा। बताया जा रहा है कि बाजार में मिलने वाले सभी आमों से मोदी आम की कीमत भी अधिक ही होगी।

इस प्रकार रखा गया नाम-

अवध आम उत्पादक एवं बागवानी समिति के महासचिव उपेंद्र कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए कहा है कि "केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान" मोदी आम पर अपनी मोहर लगा दी है।उन्होंने वर्ष 2019 में एक नया आम उगाया था। इस आम को सभी अधिकारियों ने लैब में टेस्ट करने के बाद पाया की इसका टेस्ट एकदम अलग है। यह आम की नई किस्म है। जब इसका नाम रखने की बात हुई तो "मोदी आम" इसका नाम रखा गया।

अगले साल बाजार में होगा उपलब्ध-

उपेंद्र सिंह ने बताया कि "मोदी आम" अगले वर्ष बाजार में उपलब्ध होगा। इसको लगाने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने इसके एक पेड़ की कीमत एक हजार रुपये रखी है। उन्होंने बताया कि यह आम दूसरे सभी आमों से महंगा है, लेकिन यह देश के प्रत्येक हिस्से में जाएगा।

अवध आम उत्पादक एवं बागवानी समिति ने जानकारी देते हुए कहा है कि मोदी आम के 100 से ज्यादा पेड़ो को तैयार किया जा चुका है। एक पेड़ की कीमत 1000 रुपये होगी। अभी इसके पेड़ काफी कम है लेकिन आने वाले साल में इसके बहुत से पेड़ उगाये जा सकेंगे।

70 साल से 'लोहे के फेफड़े' संग जी रहा यह शख्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, ब्यूरो रिपोर्ट, अमेरिका के पॉल अलेक्जेंडर सालों से आयरन लंग मशीन (लोहे का फेफड़ा) के साथ जी रहे हैं। पॉल दुनिया के पहले शख्स हैं, जिन्हें आयरन लंग के साथ जीना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक पॉल को पोलियो की वजह से लकवा मार गया था। उनकी बॉडी में 1928 में आयरन लंग लगाया गया था। तब से वह इसी के साथ जी रहे हैं। खास बात या है पॉल ने इस मुश्किल प्रस्थिति में भी हार नहीं मानी। फिलहाल वह लकवे की बीमारी से ग्रसित हैं और अब उनकी उम्र 76 साल से ज्यादा है। इसके बावजूद उन्होंने जीने की उम्मीद नहीं छोड़ी।

गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक 1952 में पॉल जब अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे, तो उनकी गर्दन में चोट लग गई थी। उन्हें डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टरों ने देखा तो पाया कि उनके फेफड़े खराब हो रहे हैं, जिसकी वजह से वे सांस नहीं ले पा रहे थे। इतना ही नही उनका शरीर में लकवा भी मार चुका था। उस समय उनकी उम्र मगज 6 साल थी।

डॉक्टर ने ट्रेकियोटॉमी की-

उनकी हालत देख कर सबको लग रहा था कि शायद वह जिंदा नहीं रह पाएंगे। तभी एक डॉक्टर ने सूझबूझ दिखाते हुए जल्दी से उनकी ट्रेकियोटॉमी की। इस दौरान उनकी गर्दन में एक छेद किया गया ताकि एक ट्यूब को उनकी श्वासनली के अंदर रखा जा सके। पॉल को तीन दिन के

बाद होश आया। जब आंख खुली तो उन्होंने देखा कि वे एक लोहे की मशीन के अंदर हैं।

क्या होती है आयरन लंग्स मशीन?

इस मशीन को मेडिकल की भाषा में आयरन लंग्स मशीन कहते हैं। यह मशीन लकवाग्रस्त मरीजों के लिए वरदान है। यह मरीज के फेफड़ों में ऑक्सीजन भरने का काम करती है। हालांकि, हमेशा इस मशीन में कैद रहना आसान काम नहीं है मगर पॉल अलेक्जेंडर 70 साल से इसी मशीन के सहारे जिंदा हैं। वह आज भी इसी मशीन के अंदर कैद रहते हैं। इतना ही नहीं उनके अंदर गजब का जुनून है।

पढ़-लिख कर बना वकील-

एक बार उन्होंने हायर स्टडीज करने के लिए सोचा, लेकिन यूनिवर्सिटी ने उनकी हालत देखकर दाखिला देने से मना कर दिया। हालांकि, वह एडमिशन पाने के लिए कोशिशों में लगे रहे और आखिरकार डलास की एक यूनिवर्सिटी में उन्हें एडमिशन मिल गया। यहां से उन्होंने लॉ की पढ़ाई की और अब वह वकील हैं और कोर्ट के काम भी करते हैं।

गर्मी के बीच मिलेगी राहत, 23 से 26 मई क़ो लेकर हुआ अलर्ट जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, ब्यूरो रिपोर्ट, उत्तराखंड पिछले कुछ दिनों से तापमान बढ़ने से प्रचंड गर्मी पढ़ रही है इस गर्मी से आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वहीं उत्तराखंड मौसम विभाग ने 23 मई देर शाम से 26 मई तक पूरे प्रदेश में हल्की बारिश तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि और चार धाम इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह के मुताबिक 24 और 25 मई को ऑरेंज अलर्ट रखा गया है क्योंकि इन 2 दिन पूरे प्रदेश में हल्की बारिश और चार धाम इलाकों में बर्फबारी के साथ पूरे प्रदेश में कई जगहों पर तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि की संभावना है मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह ने कहा कि 26 मई तक प्रदेश में तापमान 3 से 4 डिग्री नीचे गिरेगा।मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह ने यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं और आम लोगों के लिए चेतावनी जारी की है कि जब तेज हवाएं और आंधी चलेगी तो अपनी यात्रा स्थगित रखें क्योंकि पत्थरों के गिरने के साथ पेड़ों के गिरने की संभावना बनी हुई है लेकिन वही 30 मई से एक बार फिर से तापमान में बढ़ोतरी होगी और फिर से तेज गर्मी का लोगों को सामना करना पड़ेगा

संपादकीय

संसद भवन पर सियासत

संसद के भीतर सियासत का शोर मचता रहता है। अब यह कोई नई बात नहीं है, बल्कि देश की राजनीति का चरित्र उघड़ गया है। संसद भवन के परिसर में भी खूब हंगामा मचाया जाता रहा है। महात्मा गांधी का बुत शायद इसीलिए बनाया गया था, ताकि उसे साक्षी मान कर, उसकी प्रतिच्छाया में, विरोध-प्रदर्शन किए जा सकें। बहरहाल नया विवाद नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर पैदा किया गया है। कांग्रेस के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने मांग की है कि यह उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी के बजाय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों कराया जाए। बेशक राष्ट्रपति देश के संवैधानिक प्रमुख हैं। प्रथम नागरिक हैं और भारत सरकार तथा संसद उन्हीं के नाम पर चलाई जाती हैं। संयोग है कि देश की राष्ट्रपति आदिवासी महिला हैं और ऐसी प्रथम महामहिम हैं। गौरतलब यह भी है कि देश राष्ट्रपति प्रणाली से संचालित नहीं होता। हमारी प्रणाली संसदीय है और प्रधानमंत्री इसके प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री ही देश के सर्वोच्च प्रत्यक्ष निर्वाचित जन-प्रतिनिधि भी हैं। वह भारत सरकार के कार्यकारी प्रमुख भी हैं। देश की तमाम गतिविधियों, परिस्थितियों, नीतियों और कूटनीति आदि का प्रथम दायित्व भी प्रधानमंत्री पर ही है। बेशक राहुल गांधी प्रधानमंत्री का चेहरा, नाम पसंद करें या नफरत करें, लोकतांत्रिक जनादेश का प्रचंड बहुमत उसे ही हासिल है, लिहाजा कुछ विशेषाधिकार भी हैं। स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त को प्रधानमंत्री ही ऐतिहासिक लालकिले से राष्ट्र को संबोधित करते हैं। गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी को महामहिम राष्ट्रपति सामूहिक परेड की सलामी लेते हैं, क्योंकि वह तीनों सेनाओं के 'सुप्रीम कमांडर' भी हैं। यह विवाद का विषय नहीं है कि लोकतांत्रिक जन-प्रतिनिधियों के सर्वोच्च मंदिर 'संसद' का उद्घाटन राष्ट्रपति करें अथवा प्रधानमंत्री करें। दरअसल यह विशुद्ध राजनीति का मुद्दा बना दिया गया है। कांग्रेस और खासकर गांधी परिवार को नए संसद भवन के निर्माण पर आपत्ति थी और अब उद्घाटन को भी विवादित बनाया जा रहा है। कांग्रेस ने 'सेंट्रल विस्टा', जिसमें संसद भवन भी है, का खर्च 20,000 करोड़ रुपए प्रचारित कर देश को गुमराह किया था। उसे 'मोदी महल' करार दिया गया। उसे प्रधानमंत्री का 'अंधा अहंकार' बताया गया। 'आपराधिक बर्बादी' सरीखे शब्दों का इस्तेमाल किया गया। प्रधानमंत्री की निजी महत्त्वाकांक्षा को उच्च न्यायालय और सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी गई।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक के राष्ट्रपति ने किया शिवधाम मंदिर का भ्रमण

फोटो परिचय (22 एसआरई-9 सहारनपुर में सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक के राष्ट्रपति फास्टिन अर्चगेतौदेरा को स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन करते स्पोर्ट्स वैलफेयर एसोसिएशन केपदाधिकारी।

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सहारनपुर। सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक के राष्ट्रपति फास्टिन अर्चगे तौदेराके आज प्रवासी भारतीय उद्योगपति अजय गुप्ता के निमंत्रण पर सहारनपुरपहुंचकर निर्माणाधीन शिवधाम मंदिर का भ्रमण किया। इस दौरान स्पोर्ट्सवैलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य-अभिनंदन किया गया। भारत के दौरे पर आए सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक केराष्ट्रपति फास्टिन अर्चगे तौदेरा ने आज आगरा में ऐतिहासिक ताजमहल काभ्रमण किया। तत्पश्चात प्रवासी भारतीय अजय गुप्ता के निमंत्रण पर विमानद्वारा जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुंचे जहां से हैलीकॉप्टर द्वारासहारनपुर स्थित देहरादून रोड स्थित हैलीपैड पहुंचे जहां उन्हें सलामीगारद द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। तत्पश्चात राष्ट्रपति फास्टिन अर्चगेतौदेरा अपनी पत्नी व बेटी व महामंडलेश्वर कैलाशानंद ब्रह्मचारी के साथसहारनपुर में निर्माणाधीन शिवधाम मंदिर पहुंचे जहां प्रवासी उद्यमी अजयगुप्ता, अनिल गुप्ता व वरूण गुप्ता द्वारा बुके देकर उनका स्वागत कियागया। तत्पश्चात राष्ट्रपति फास्टिन अर्चगे तौ देरा ने शिवधाम मंदिर मेंभ्रमण कर दर्शन किए तथा मंदिर परिसर में बनाए गए इंडोर स्टेडियम का भीअवलोकन किया। इस दौरान महापौर डा. अजय कुमार सिंह, विधायक मुकेश चौधरी,विधायक राजीव गुम्बर, डिस्ट्रिक्ट प्रैस क्लब के संरक्षक जावेद साबरी,राजकुमार राजू, राजीव गुप्ता, डा. पंकज खन्ना, बसपा नेता ओसाफ गुड्डू आदिमौजूद रहे। इससे पूर्व हैलीपैड पहुंचने पर स्पोर्ट्स वैलफेयर एसो-सिएशनकी ओर से चेयरमैन अनिल गुप्ता, अध्यक्ष जावेद साबरी, महापौर अजय कुमारसिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमिंद्र सिंह, डा. पंकज खन्ना ने राष्ट्रपतिसेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक के राष्ट्रपति फास्टिन अर्चगे तौ देरा को शॉलओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर भव्य अभिनंदर किया। इस दौरान समाजसेवी मसू-दबदर, पार्षद मंसूर बदर, आरिफ खान, नौशाद खान, अफजाल खान, रब्बानी खान,ईशान साबरी, वरिष्ठ पत्रकार सुधीर सोहल, अमित जैन दादू आदि मौजूद रहे।सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक के राष्ट्रपति फास्टिन अर्चगे तौदेरा केसहारनपुर आगमन के मद्देनजर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ताइंतजाम किए गए थे। नायब तहसीलदार नितिन काजला के नेतृत्व में पुलिस वप्रशा-सनिक अधिकारियों द्वारा भ्रमण के दौरान पूरे समय सुरक्षा व्यवस्थाकी निगरानी रखी गई तथा जिस समय सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक के राष्ट्रपतिफास्टिन अर्चगे तौदेरा का काफिला हैलीपैड से शिवधाम मंदिर पहुंचा तोरास्ते में जगह-जगह पुलिसकर्मियों द्वारा यातायात रोककर उनके काफिले कोसुरक्षित पहुंचाने का काम किया।

इलेक्ट्रॉनिक और मैन्युअल पुलिसिंग के आधार पर हरिद्वार पुलिस ने खोला राज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 23 मई : धनौरी बावनदर्रा के पास चाकू के लगातार वार से घायल मिली थी महिला, बोलने में हो चुकी थी असमर्थ, इलाज के दौरान मृत्युपति ही निकला कातिल , वैवाहिक रिश्ते में विवाद बना हत्या का कारण अभियुक्त को पकड़ने गैर प्रांत उ0प्र0 पहुंची हरिद्वार पुलिस पूरी टीम ने एक इकाई के रूप में काम किया जिस कारण सफलता मिली, पारिवारिक झगड़ों को आपसी बातचीत से सुलझाना ही बेहतर रहता है :: एसएसपी*

धनौरी बावनदर्रा के पास एक महिला बेहद घायल अवस्था में मिली थी जिसके शरीर पर चाकू से वार कर किये गए थे।महिला संबंधी अपराधों के प्रति बेहद गंभीर एसएसपी अजय सिंह सूचना मिलते ही अन्य ऑफिसर्स के साथ मौके पर पहुंचे।घायल महिला को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल रुड़की भेजने पर इलाज के दौरान चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित किया गया। मृतक महिला से पुलिस को काफी प्रयासों के बाद केवल इतना पता चल पाया कि उसका नाम सकीना है और वह अपने पति सुहैल और बेटी के साथ घूमने कलियर आयी थी।

इस तरह गिरफ्त में आया मर्डर मिस्ट्री का अभियुक्त

बिना किसी सही जानकारी के इस मर्डर मिस्ट्री को खोलना पुलिस के लिए चुनौती बन गया क्योंकि पुलिस के पास सिर्फ इतनी जानकारी थी कि मृतका का नाम सकीना है और वह अपने पति सुहैल व बच्चे के साथ कलियर आई।क्योंकि पति साथ में था तो उसका अचानक इस तरह गायब हो जाना शंका पैदा करता था जिस कारण एसएसपी के आदेश पर पूरे जनपद में देर रात तत्काल ही सभी थाना चौकी स्थित नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और ऑफ रुटों पर एक साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें स्वयं एसएसपी द्वारा चेकिंग की मॉनिटरिंग की गई।वहीं दूसरी तरफ काम कर रही अन्य पुलिस टीम को मैन्युअल पुलिसिंग के आधार पर जानकारी मिली कि महिला दाबकी सहारनपुर क्षेत्र से संबंधित है, इस पर एसएसपी हरिद्वार व टीम ने सहारनपुर के अपने-अपने संपर्क सूत्रों को महिला की फोटो भेज कर सरगर्मी से व्हाट्सएप ग्रुप, घर-गांव में तलाश कराई, कई घंटों की एकाग्रता से की गई मेहनत से मृतक महिला सकीना व उसके पति सुहैल के किराए पर दाबकी रहने एवं मूल गंगोह, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश रहने की जानकारी मिली।

ये था हत्या का कारण

हत्या की वजह खोजने में जुटी पुलिस टीम ने सभी जानकारियों को सिलसिलेवार एकत्र किया।करीब 5 वर्ष पूर्व सिडकुल क्षेत्र में काम करने के दौरान अभियुक्त सुहैल की मुलाकात तसगिरा उर्फ सकीना से हुई। प्रेम सम्बन्धों के चलते सुहैल ने अपने घर वालों की इजाजत के बिना तसगिरा उर्फ सकीना से उसके पूर्व में शादीशुदा होने के बावजूद भी, निकाह किया। तीन बच्चे होने के बाद दोनों के बीच घर के खर्चों, आपसी मनमुटाव, सकिना का बार-बार निकाह से पहले अच्छी जिंदगी जीना और रोज-रोज के झगड़ों के कारण सुहैल ने सकीना को तलाक दे दिया लेकिन सकीना अलग होने के एवज में सुहैल से 3 लाख की मांग कर रही थी नहीं तो अंजाम भुगतने की धमकी दे रही थी।इन सब कारणों से लगभग रोज ही इनमें लड़ाई झगड़े हो रहे थे जो अब ज्यादा होने लगे थे। जिस कारण सुहैल ने सकीना को रास्ते से हटाने का मन बना लिया।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

सुहैल मृतका को 09 माह की बेटी के साथ घुमाने के बहाने कलियर लेकर आया और पूर्व में भी कलियर आने एवं रास्तों की अच्छी जानकारी रखने वाले सुहैल ने बावनदर्रा धनौरी के पास मौका देख कर अपनी पत्नी तसगिरा उर्फ सकीना को चाकू मारकर, जान से मारने की नियत से गंगनहर में फेंका और अपनी बेटी आयत उम्र 9 माह को लेकर मौके से फरार हो गया। अभियुक्त सुहैल उपरोक्त को सत्यता के आधार पर गंगोह, सहारनपुर से लाकर पूर्ण जानकारी उपरांत अपराध पुष्ट होने पर कलियर थाना क्षेत्र से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया। फॉरेंसिक टीम द्वारा सावधानीपूर्वक साक्ष्य एकत्रित किए गये।

सुहैल पुत्र असगर निवासी मोहल्ला मोहम्मद गौरी गंगोह सहारनपुर उत्तर प्रदेश

जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 मई : जनसुनवाई में 99 शिकायतें प्राप्त हुई। प्राप्त हुई शिकायतों में भूमि अतिक्रमण, अवैध कब्जे, भूमि सीमाकंन, जनजाति प्रमाण पत्र जारी करवाने, सेवायोजित करने, आर्थिक सहायता दिलाने, पीएजीएसवाई से मुअवाजा दिलाने, सीवर लाईन बिछवाने, आपसी विवाद, गौरादेवी कन्याधन योजना का लाभ दिलवाने आदि शिकायतें प्राप्त हुई।

जिलाधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध कब्जे एवं भूमि अतिक्रमण संबंधित शिकायतों पर मौका मुआवना करते हुए आवश्यक कार्यवाही करें तथा अपने-अपने क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को हटाएं। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त हो रही शिकायतों पर गंभीरता से संज्ञान लें तथा अपने विभाग से संबंधित शिकायतों का निस्तारण करते हुए अद्यतन स्थिति से शिकायत कर्ता को भी अवगत कराएं।

जिलाधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध कब्जे एवं भूमि अतिक्रमण संबंधित शिकायतों पर मौका मुआवना करते हुए आवश्यक कार्यवाही करें तथा अपने-अपने क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को हटाएं। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त हो रही शिकायतों पर गंभीरता से संज्ञान लें तथा अपने विभाग से संबंधित शिकायतों का निस्तारण करते हुए अद्यतन स्थिति से शिकायत कर्ता को भी अवगत कराएं।

जनसुनवाई में शास्त्री नगर निवासियों द्वारा क्षेत्र में अवैध रूप से बह रहे गंदे पानी से क्षेत्र प्रदूषित होने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने जल निगम के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत कुणा एवं कुल्हा चकराता निवासी बालिकाओं द्वारा वर्ष 2020-21 एवं 21-22 में बारवीं पास करने के बाद नन्दा गौरा देवी कन्या धन योजना से लाभान्वित करने हेतु आवेदन किया था किन्तु 2 वर्ष बीतने के बाद भी कार्यवाही नहीं हुई जिस पर जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास को आवश्यक कार्यवाही करते हुए आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार डोईवाला मारखम ग्रान्ट बुल्लावाला निवासियों द्वारा सरकारी भूमि पर कब्जा होने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी डोईवाला को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। भू-माफियों द्वारा डांडा लखोंड में भूमि कब्जा किए जाने के प्रयास की शिकायत पर उप जिलाधिकारी सदर को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शान्ति विहार आवासीय विकास समिति द्वारा शान्ति विहार अजबपुर के प्रवेश द्वार पर अतिक्रमण से आवागमन की परेशानी के साथ ही दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी रहने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक यातायात को कार्यवाही के निर्देश दिए। इसी प्रकार पीएमजीएसवाई से मुआवजा संबंधी शिकायतों पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिशासी अभियन्ता कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 शिव कुमार बरनवाल, अपर मुख्य नगर आयुक्त जगदीश लाल, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिल जोशी, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, एमडीडीए, विद्युत, सिंचाई, सेवायोजन, बाल विकास विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मोनालिसा की रहस्यमयी पेंटिंग, जाने 6 हज़ार करोड़ की इस पेंटिंग का रहस्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जीता जागता आदमी कभी हंसे मुस्कुराया और कभी दुखी हो जाएंगे बात तो समझ में आती है.लेकिन हम आपको बताने जा रहे हैं एक रहस्यमई पेंटिंग के बारे में ,जो कभी मुस्कुराती भी नजर आती है कभी सहमी, तो कभी दुखी नजर आती है, निश्चित रूप से आपको यह सब आश्चर्य लगेगा। लेकिन इस क्षण- क्षण में भाव भंगिमा बदलती पेंटिंग का रहस्य आज तक कोई जान न सका है।इटली के महान दार्शनिक पेंटर लियोनार्दो के हाथों से बनी यह पेंटिंग अद्भुत और निराली हैं। यदि आप मोनालिसा की पेंटिंग को ध्यान से देखेंगे तो पहले यह तस्वीर मुस्कुराती हुई नजर आएगी और धीरे-धीरे को मुस्कान गायब हो जाएगी।सभी जानते हैं कि यह पेंटिंग है कोई जीती-जागती नारी नहीं जो पल में हंसे और पल में रोए। लेकिन इस पेंटिंग के देखने वालों को ऐसा आभास निश्चित रूप से आश्चर्यजनक हैं। कहते हैं कि मोनालिसा की पेंटिंग को बनाने में 15 वर्ष लग गये।कौन थी ये मोनालिसा ?बताया जाता है कि मोनालिसा नाम की इस लेडी के ओठों को बनाने में कलाकार को 12 वर्षों का समय लगा। कौन थी मोनालिसा, जिसकी कलाकार ने पेंटिंग बनाई है आज तक किसी को पता नहीं है।

कहते हैं कि दार्शनिक पेंटर लियोनार्दो ने यह तस्वीर अपनी प्रेमिका की बनाई है। जिसे वह बहुत चाहते थे। तो कुछ लोगों का कहना है कि इस पेंटिंग में कलाकार ने अपने आप को स्त्री रूप में प्रदर्शित किया है।6 हजार करोड़ रुपए की है ये पेंटिंगयह विश्व की महंगी तस्वीरों में से एक है। आज मोनालिसा की पेंटिंग अमर हो गई है। पूरे विश्व में इस मोनालिसा की पेंटिंग पर रिसर्च वर्क किए जा रहे हैं कि ऐसी क्या बात है इस पेंटिंग में? क्या है इस पेंटिंग का रहस्य जिसके कारण तस्वीर में बनी मोनालिसा के भाव बदलते हुए नजर आते हैं।